सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर-4

हिंदी : पाठ्यक्रम 'ब'

प्रथम सत्र (संकलित परीक्षा–I)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1 × 5 = 5)**

समाज में रहने वाले सभी व्यक्ति सुख और संपन्नता की चाह रखते हैं। इस चाह में बाधक स्वयं व्यक्ति का अहं बनता है। संपन्न बनने की चाह में हम ईश्वर का भजन-कीर्तन भी करते हैं, और अपने कर्तव्य में जी-जान से लगे भी रहते हैं। भक्ति मार्ग से आध्यात्मिक सुख तो प्राप्त होता ही है, मानव लौकिक जीवन में यश और कीर्ति का भागी भी बनता है। कहा भी गया है 'सुख में जो सुमिरन करे, तो दुख काहे को होय।' अपने अहं का त्याग कर प्रभु के प्रति इसे समर्पित कर व्यक्ति करुणा, दया, प्रेम, सहानुभूति जैसे मानवीय एवं उदात्त गुणों से ओत-प्रोत होता है। जो व्यक्ति 'मैं' का राग अलापता रहता है, वह मानो परम पिता की ओर पीठ करके खड़ा रहता है। कबीरदास का कहना है–"यह तो घर है प्रेम का, खाला का घर नाहिं; सीस उतारे, भुईं धरै, सो चाले घर माहिं।" अपने अहं को त्याग देने वाला ही उस अलख को लख सकता है। कोई मनुष्य कह सकता है कि परमात्मा हमसे दूर है, वह हमारी सुनता ही नहीं, पर बात तो यह है कि वह परमेश्वर न कभी हमसे दूर था, न होगा। हमने कभी अपने हृदय में उसे देखने का प्रयास ही नहीं किया।

1. समाज में रहने वाले व्यक्ति चाहते हैं कि _____।

(क) वे दुनिया पर राज करें (ख) मित्रता करें

(ग) सुख और संपन्नता हो (घ) उनका परिवार हो

2. सम्पन्न बनने के लिए हम _____।

(क) अनुचित साधन न अपनाएँ (ख) भजन कीर्तन करें, कर्तव्य पूरा करें

(ग) भगवान के भरोसे रहें (घ) अपनों का जीवन दाँव पर लगा दें

3. मनुष्य मानवीय एवं उदात्त गुणों से ओत-प्रोत तब होता है जब वह _____।

(क) अहंकार करता है (ख) प्रभु का स्मरण नहीं करता

(ग) अहं त्याग कर प्रभु पर समर्पित होता है (घ) कर्तव्य से विमुख होता है।

4. ईश्वर हमें कब प्राप्त होता है ?

(क) रात-दिन भजन करने से (ख) मंदिर में जाने पर

(ग) मंदिर बनवाकर (घ) सच्चे दिल से याद करने पर

5. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है _____।

(क) ईश्वर (ख) अहंकार

(ग) ईश्वर की सहानुभूति (घ) सुख-संपन्नता

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

यदि विवेक से काम लिया जाए तो भय नहीं रहता, पर युवा पुरुष मित्र चुनते समय प्रायः विवेक से कम काम लेते हैं। कैसे आश्चर्य की बात है कि लोग एक घोड़ा लेते हैं, तो उसके सौ गुण-दोष को परखकर लेते हैं, पर किसी को मित्र बनाने में उसके पूर्व आचरण और स्वभाव आदि का कुछ भी विचार और अनुसंधान नहीं करते। वे उसमें सब बातें अच्छी-ही-अच्छी मानकर पूरा विश्वास जमा देते हैं। हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस–ये ही दो-चार बात किसी में देखकर लोग उसे झटपट अपना बना लेते हैं। हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है, क्या जीवन व व्यवहार में उसका कुछ मूल्य भी है। यह बात हमें नहीं सूझती कि वह ऐसा साधन है, जिसमें आत्मशिक्षा का कार्य बहुत सुगम हो जाता है। एक प्राचीन विद्वान का वचन है, "विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए, उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।"

1. लेखक आश्चर्यचकित क्यों है ?
(क) लोग मित्र बनाते समय पूर्ण आचरण को परखते हैं।
(ख) मित्र बनाने से पहले उसके स्वभाव की कोई जानकारी नहीं लेता।
(ग) घोड़ा लेते समय उसके गुण-दोष नहीं परखते।
(घ) छोटी-से-छोटी वस्तु बिना उसे ध्यान से देखे खरीद लेते हैं।

2. मित्र में हमें क्या देखना चाहिए ?
(क) उसका बाहरी रूप (ख) उसके गुण-दोष
(ग) स्वभाव, हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग (घ) उसकी दौलत

3. गद्यांश में खजाना किसे माना गया है ?
(क) धन को (ख) हँसमुख व्यक्ति को
(ग) पड़ोसी को (घ) विश्वासपात्र मित्र को

4. आत्मशिक्षा को सुगम बनाने का साधन है _____।
(क) घोड़ा (ख) भगवान
(ग) मित्र (घ) लोग

5. कैसा मित्र हमें सदा मुसीबतों से बचा सकता है ?
(क) हँसमुख (ख) चतुर
(ग) विश्वासपात्र (घ) युवा

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वलित-प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे ?
लहू गरम करने को रखो मन में ज्वलित विचार
हिंसक जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार।
एक भेद है और, जहाँ निर्भय होते नर-नारी,
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी।
जहाँ मनुष्य के भीतर हरदम जलते हैं शोले,
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हलाहल की धार,
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार।

1. 'कलम' में बहुत ताकत है क्योंकि _____।
(क) 'कलम' अंगारे उगल सकती है (ख) 'कलम' विचारों में क्रांति लाती है
(ग) 'कलम' लिखने में काम आती है (घ) 'कलम' तलवार के स्थान पर प्रयोग की जाती है

2. कलम आग कब उगलती है ?
(क) जब हिंसक जीव सामने आते हैं। (ख) जब लहू गरम होता है।
(ग) जब सब भयभीत होते हैं। (घ) जब सभी नर-नारी निडर होते हैं।

3. दिमाग में 'गोले' होने का आशय है _____।
(क) मानसिक बीमारी (ख) अशांति और अराजकता
(ग) निर्णय न करना (घ) क्रांतिकारी विचार

4. तलवार न होने की चिंता कहाँ नहीं होती ?
(क) जहाँ हिंसक जीव हों। (ख) जहाँ के लोग क्रांतिकारी होते हैं।
(ग) जहाँ देशद्रोही होते हैं। (घ) जहाँ कलम होती है।

5. 'हलाहल' शब्द का संभावित अर्थ है _____।
(क) लोहा (ख) हल
(ग) विष (घ) खून

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

कितना विशाल यह विश्व तेरा,
जिसका आरंभ न अंत कहीं,
लेकिन तेरे सृष्टि में ही
तुझको छुपने की जगह नहीं ?
तू कहता मुझसे–'ढूँढ मुझे'
मैं कहता-मुझसे छुप के दिखा
तू कहता ईश्वर पकड़ मुझे
मैं कहता मुझसे दूर तो जा!
यह अखिल विश्व, ब्रह्मांड निखिल
तेरा निवास तेरा ही घर
यह कैसा चमत्कार तेरा
तेरी गागर, तेरा सागर!
मनमोहक स्वप्निल पुष्पों में
तेरी ही सुगंध समाई है
मिट्टी के पुतलों में तूने ही
जीवन-ज्योति जगाई है!

1. परमात्मा का विश्व बहुत_____है।
(क) विकास (ख) विकराल
(ग) विशाल (घ) विकृत

2. तू कहता मुझसे 'ढूँढ़ मुझे' पंक्ति किसने कही है ?
(क) पाठक ने (ख) कवि ने
(ग) कहानीकार ने (घ) चित्रकार ने

3. 'जीवन-ज्योति' से क्या तात्पर्य है ?
(क) दीपक की ज्योति (ख) नेत्र की ज्योति
(ग) मानस जीवन (घ) सूर्य का प्रभाव

4. 'तेरी गागर तेरा सागर'–ऐसा किसके लिए संबोधित किया गया है ?
(क) महात्मा (ख) संत
(ग) साधु (घ) परमात्मा

5. 'मिट्टी के पुतले' से तात्पर्य है _____।
(क) मिट्टी की मूर्तियाँ (ख) नश्वर मानव
(ग) खिलौने (घ) किसान

खंड 'ख'
व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. (क) शब्द तथा पद किसे कहते हैं ? (1 × 4 = 4)
(ख) 'वृक्ष के नीचे बैठने से शांति मिलती है।' वाक्य में से संज्ञा पद छाँटिए।
(ग) मेरे दोस्तों में से कोई भी क्रिकेट खेलने नहीं आया। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।
(घ) पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

प्रश्न 6. (क) हम बाग में गए, परंतु हमें आम नहीं मिले। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1 × 4 = 4)
(ख) राम विद्यालय जाता है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(ग) हम सिनेमा देखने जा रहे हैं। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(घ) जिन छात्रों ने शोर मचाया था, वे पकड़ लिए गए। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

प्रश्न 7. (क) सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता। मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ख) आप द्वार पर बैठकर उसकी प्रतीक्षा करें। संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए– (2)
पुरुषोत्तम, मुनीश्वर, वीरोचित

प्रश्न 8. (क) 'अति + आचार' की संधि कीजिए। (1)
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह कर भेद लिखें– (2)
जलधारा, महाराजा, ध्यानमग्न, पीताम्बर
(ग) 'कनक के समान लता' का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए। (1)

प्रश्न 9. (क) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ। (1 + 1 = 2)
(*i*) आवाज उठाना (*ii*) आस्तीन का साँप
(*iii*) सिर मुँड़ाते ओले पड़े (*iv*) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए– (1 + 1 = 2)
(*i*) गरम-गरम गुलाब जामुन देखकर मेरे मुँह में_____आ गया।
(*ii*) कक्षा में प्रथम आने पर वह_____समा रहा था।

खंड 'ग'

पाठ्यपुस्तकें

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल!

1. 'मेखलाकार' शब्द का प्रयोग कवि किसके लिए कर रहा है ?

(क) आभूषण के लिए (ख) वृक्षों के लिए
(ग) पुष्पों के लिए (घ) पर्वत शृंखलाओं के लिए

2. पर्वत के चरणों में फैले ताल में क्या हो रहा है ?

(क) आग से धुआँ उठ रहा है। (ख) पानी बरस रहा है।
(ग) पर्वत का बिंब दिख रहा है। (घ) मोती बिखर रहे हैं।

3. कविता के आधार पर परिवर्तन किसमें हो रहा है ?

(क) पहाड़ों में (ख) वृक्षों में
(ग) प्रकृति में (घ) जंगल में

4. कविता का नाम व रचयिता हैं _____।

(क) महादेवी वर्मा–मधुर-मधुर मेरे दीपक जल (ख) मीराबाई–पद
(ग) सुमित्रानन्दन पंत–पर्वत प्रदेश में पावस (घ) मैथिलीशरण गुप्त–पर्वत में वर्षा

5. 'दृग-सुमन' का तात्पर्य है _____।

(क) नेत्र और फूल (ख) दर्पण में फूल का प्रतिबिंब
(ग) प्रकृति के फूल (घ) पुष्प जैसे नेत्र

अथवा

स्याम म्हाँने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बातां सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं, बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीराँ।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।।

1. मीराबाई को कृष्ण की सेवा में कौन-सी जागीर प्राप्त हुई है ?
(क) सेविका बनने की (ख) साँवरिया के दर्शन पाने की
(ग) हृदय का अंधकार दूर करने की (घ) भाव-भक्ति की

2. 'तीनूं बाताँ सरसी' में कौन-सी तीन बातें हैं ?
(क) दरसन, पैसा (ख) स्मरण, प्रसाद, खरची
(ग) दरसन, स्मरण, भक्ति (घ) कुसंबी वस्त्र, चाकरी, बाग लगाना

3. 'बिच-बिच राखूँ बारी' में 'बारी' से क्या तात्पर्य है ?
(क) अवसर (ख) खिड़की
(ग) झरोखा (घ) बाहरी

4. मीराबाई श्रीकृष्ण के सभी काम इसलिए करना चाहती हैं क्योंकि _____।
(क) वे हरदम श्रीकृष्ण के पास रह सकें (ख) पूजा-भक्ति में समय बिताएँ
(ग) उन्हें काम करना अच्छा लगता है (घ) वे सदा प्रभु के दर्शन पा सकें

5. 'वैजयन्तीमाल' का क्या अर्थ है ?
(क) मोती की माला (ख) मनकों की माला
(ग) फूलों की माला (घ) सोने की माला

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 + 3 = 6)

(क) पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था ?

(ख) गाँव की किस रीति के कारण तर्ताँरा क्रोधित था ? क्रोध में आकर उसने क्या किया ?

(ग) शैलेंद्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य क्या है ?

प्रश्न 12. बड़े भाई साहब बात-बात में तजुर्बे और अनुभव की बात करते हैं। आपकी राय में पुस्तकीय ज्ञान और अनुभव में क्या महत्त्वपूर्ण है ? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए। (5)

अथवा

'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर 'ओपन लड़ाई' किसे कहा गया है ? तात्कालिक समय में इसका क्या महत्त्व था ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

राजकपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेंद्र को फिल्म की असफलता के खतरों से आगाह भी किया। पर वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था, जिसे अपार संपत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी जितनी आत्म-संतुष्टि के सुख की अभिलाषा थी। 'तीसरी कसम' कितनी ही महान फिल्म क्यों न रही हो, लेकिन यह एक दुखद सत्य है कि इसे प्रदर्शित करने के लिए बमुश्किल वितरक मिले। .....दरअसल इस फिल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी। उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज नहीं थी। इसीलिए बमुश्किल जब 'तीसरी कसम' रिलीज हुई तो इसका कोई प्रचार नहीं हुआ। फिल्म कब आई, कब चली गई, मालूम ही नहीं पड़ा।

(क) आर्थिक खतरों के बावजूद शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' बनाने का निर्णय क्यों लिया ? (1)

(ख) सच्चे मित्र की हैसियत से राजकपूर ने शैलेंद्र को क्या समझाया होगा ? अपनी कल्पना तथा पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

(ग) सामान्यतया लोग कैसी फिल्में देखना पसंद करते हैं ? और क्यों ? (2)

अथवा

यह तो समय की किफ़ायत नहीं, बल्कि उसका दुरुपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात को दूँस दिया जाए। हम चाहते हैं, आदमी को जो कुछ कहना हो, चटपट कह दे और अपनी राह ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रँगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए और पन्ने भी पूरे फुलस्केप आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं, तो और क्या है ? अनर्थ तो यह है कि कहा जाता है, संक्षेप

में लिखो। समय की पाबंदी पर संक्षेप में एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। ठीक। संक्षेप में तो चार पन्ने हुए, नहीं शायद सौ-दो-सौ पन्ने लिखवाते। तेज भी दौड़िए और धीरे-धीरे भी। है उलटी बात, है या नहीं ? बालक भी इतनी-सी बात समझ सकता है, लेकिन इन अध्यापकों को इतनी तमीज भी नहीं। उस पर दावा है कि हम अध्यापक हैं। मेरे दरजे में आओगे लाला, तो ये सारे पापड़ बेलने पड़ेंगे और तब आटे-दाल का भाव मालूम होगा। इस दरजे में अव्वल आ गए हो, तो जमीन पर पाँव नहीं रखते। इसलिए मेरा कहना मानिए। लाख फेल हो गया हूँ, लेकिन तुमसे बड़ा हूँ, संसार का मुझे तुमसे कहीं ज्यादा अनुभव है। जो कुछ कहता हूँ, उसे गिरह बाँधिए, नहीं पछताइएगा।

(क) भाई साहब ने निबंध लेखन के लिए क्या प्रतिक्रिया दी ? (1)

(ख) 'आटे-दाल का भाव मालूम होना', 'पापड़ बेलना' मुहावरे का क्या अर्थ है ? (2)

(ग) गद्यांश के आधार पर अपनी शिक्षा प्रणाली में क्या-क्या कमियाँ बताई गई हैं ? (2)

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 × 3 = 9)

(क) मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?

(ख) ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे देख नहीं पाते। क्यों ?

(ग) पावस ऋतु में प्रकृति में होने वाले परिवर्तन अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) विरासत में मिली तोप की वर्तमान समय में क्या स्थिति है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 + 3 = 6)

(क) हरिहर काका पाठ के किस संदर्भ ने आपके मन को अधिक प्रभावित किया और क्यों ? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) क्या आज भी हमारे समाज में ठाकुर-बाड़ी के महंत जैसे धर्म गुरु हैं ? किसी एक का उदाहरण लिखिए।

(ग) हरिहर काका के साथ घर की महिलाओं का व्यवहार सही था या गलत ? अपनी राय लिखिए।

मूल्य आधारित प्रश्न

प्रश्न 16. प्राचीन काल से वर्तमान समय तक वृद्धों के प्रति परिवार के लोगों का व्यवहार बदला है। इस विषय पर टिप्पणी लिखते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए। (4)

अथवा

एक रिपोर्टर होने के नाते हरिहर काका पर हो रहे जुल्म का पर्दाफाश आप किस तरह से करते ? संक्षिप्त रिपोर्ट लिखिए। अपनी टिप्पणी भी दीजिए।

खंड 'घ'
लेखन

प्रश्न 17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) आप किसी धार्मिक सम्मेलन में बैठे हैं। अचानक मची भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शी होने के कारण वहाँ का आँखों-देखा हाल लिखिए।

- धार्मिक सम्मेलन
- धर्म गुरु का प्रवचन
- भगदड़ का कारण
- उसका निवारण

(ख) राजनीतिक रथ-यात्राएँ

- आवश्यकता
- रथ-यात्रा का उद्देश्य
- सफलता-असफलता

(ग) मोबाइल की दुनिया और एस.एम.एस.

- मोबाइल क्या है
- अनैतिकता को बढ़ावा
- एस.एम.एस. के लाभ-हानि

प्रश्न 18. क्रिकेट मैच देखकर बाहर निकलने पर आपका स्कूटर नहीं मिला। इसके खो जाने की सूचना देते हुए थाना-अधिकारी को रिपोर्ट दर्ज करवाएँ। (5)

अथवा

मोहल्ले के पार्क में हो रही गंदगी की सूचना देते हुए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखें।